



Shiva



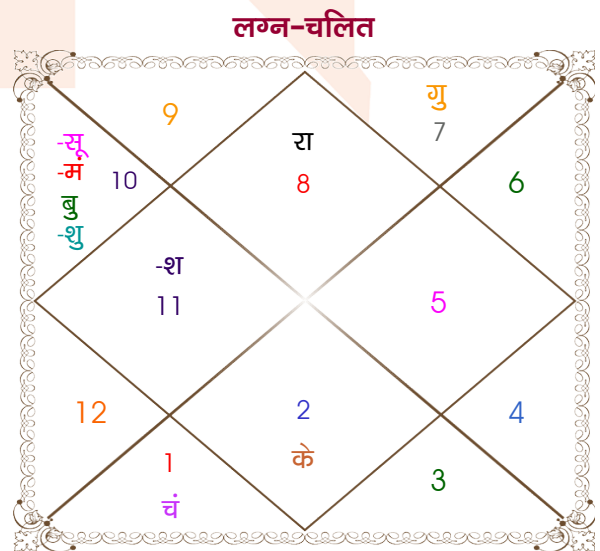
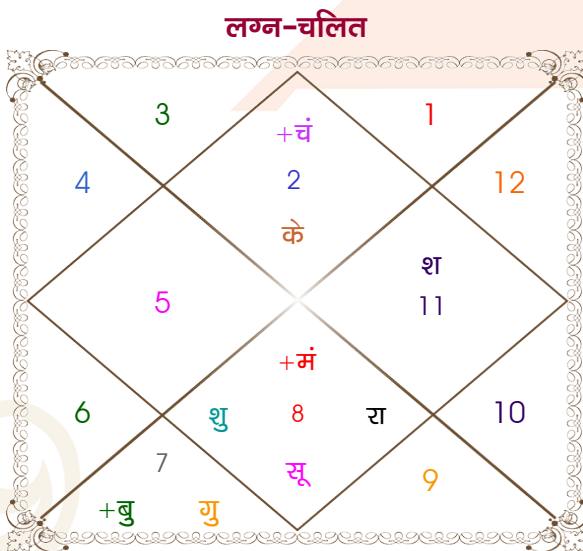
Ujjwala

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119044613

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 30/11/1993 : _____ जन्म तिथि _____ 20-21/01/1994
 मंगलवार : _____ दिन _____ गुरु-शुक्रवार
 घंटे 16:35:00 : _____ जन्म समय _____ 04:05:00 घंटे
 घटी 24:08:34 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 52:07:14 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Muzaffarnagar : _____ स्थान _____ Herbertpur
 29:28:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 30:26:00 उत्तर
 77:42:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:43:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:12 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:19:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:55:34 : _____ सूर्योदय _____ 07:15:55
 17:20:12 : _____ सूर्यास्त _____ 17:44:33
 23:46:34 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:46:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 5मा 14दि		03:20:43	वृष	लग्न	वृश्चि	20:04:18	शुक्र 11वर्ष 11मा 24दि	
गुरु		14:29:04	वृश्चि	सूर्य	मक	06:52:37	मंगल	
16/05/2016		28:10:39	वृष	चंद्र	मेष	18:40:41	14/01/2022	
16/05/2032		21:39:12	वृश्चि	मंगल	मक	00:36:46	14/01/2029	
गुरु	04/07/2018	26:38:48	तुला	बुध	मक	17:56:55	मंगल	13/06/2022
शनि	14/01/2021	10:21:58	तुला	गुरु	तुला	18:38:25	राहु	01/07/2023
बुध	22/04/2023	03:02:22	वृश्चि	शुक्र	मक	07:47:57	गुरु	06/06/2024
केतु	28/03/2024	00:47:59	कुंभ	शनि	कुंभ	05:18:12	शनि	16/07/2025
शुक्र	27/11/2026	09:16:23	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	07:23:33	बुध	13/07/2026
सूर्य	15/09/2027	09:16:23	वृष व	केतु	वृष	07:23:33	केतु	09/12/2026
चन्द्र	14/01/2029	26:05:49	धनु	हर्ष	धनु	28:58:45	शुक्र	08/02/2028
मंगल	21/12/2029	25:35:38	धनु	नेप	धनु	27:26:09	सूर्य	15/06/2028
राहु	16/05/2032	02:09:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:50:20	चन्द्र	14/01/2029



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि रौप्य का नक्षत्र मृगशिरा है।

रौप्य का वर्ग मृग है तथा नररस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार रौप्य और नररस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

रौप्य मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल रौप्य कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु रौप्य कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

नररस मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल नररूंसं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

पौषां तथा नररूंसं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

